੧ੳ ਸਤਿਗੁਰਪ੍ਰਸਾਦਿ॥

## म्राचर ग्रामे थाः १० भवम थ्रोप

ਵਕਤਾ: ਸੰਤ ਗਿਆਨੀ ਗੁਰਬਚਨ ਸਿੰਘ ਜੀ ਖਾਲਸਾ ਭਿੰਡਰਾਂਵਾਲੇ



ਲੇਖਕ : ਗਿਆਨੀ ਪ੍ਰੀਤਮ ਸਿੰਘ ਜੀ 'ਲਿਖਾਰੀ ਜਥਾ ਭਿੰਡਰਾਂ'

सिंग विंडवं

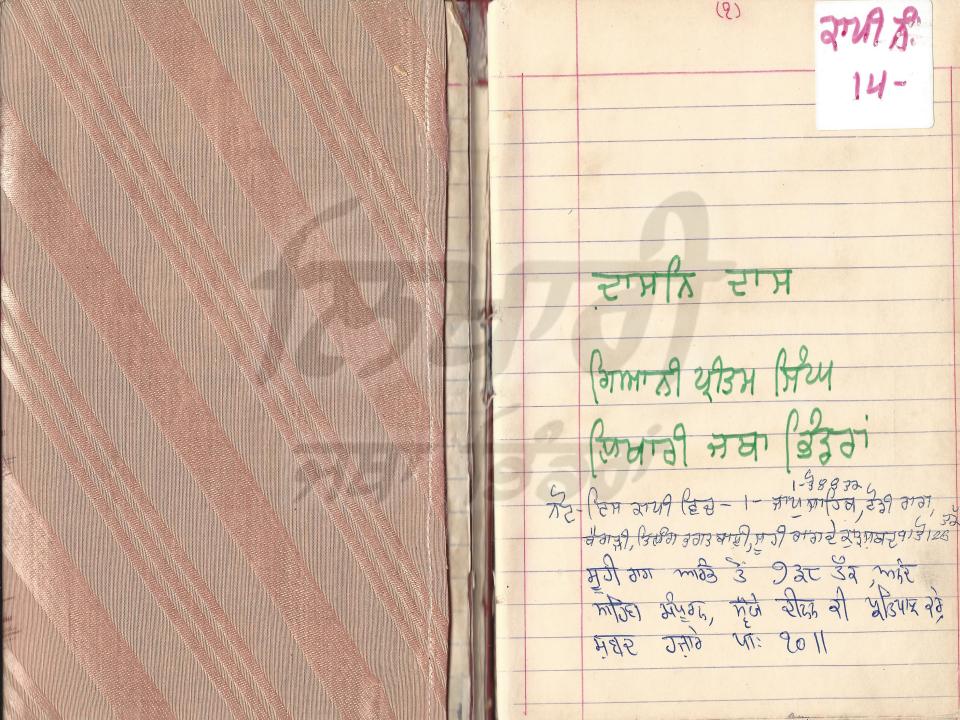
Facebook.com/GianiPritamSinghJiLikhari

## Introduction

This PDF contains the handwritten notes of Giani Pritam Singh Ji while he was studying under the tutelage of Sant Giani Gurbachan Singh Ji Khalsa Bhindranwale. This PDF contains notes of arth (meaning of Gurbani) written during the katha of Shabad Hazare Patshahi 10. This was written by Giani Pritam Singh Ji in 1962, during the Katha of Sri Dasam Granth Sahib Ji by Sant Giani Gurbachan Singh Ji Bhindranwale in Pind Vadda Rajoana. It is a wealth of spiritual knowledge, so please read it yourself and share with others. For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:



www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari



11 VC PERVAR REPORTED BOKIE 1103 GILLELA WENTE हें बा एवं विसरों की केंवेड़ वा संगन्त मारीय सी मगावस में दिली है पर सारी इक्तान है महिला है ग्रें में मुना है हिन हम बेत साही हि काश में वठ होशी है बिकां सा भी भीट होता की भी रे प्रवास की की उन हिरस ही मर भड़ी हे मियां यही हिराना मही छपरेम बुव की हिरे उरा टा कि एस एक भी मामा कि एक एक हो है ।।। समामारी कि में पा प्रमि प्रमि स्मिमित्रा के स्थाप में भारत है। सामिसिए के ता हमा के प्राप्त है। हमा सि क्षिमा भीगरप मालिहिस्मा पद्मी।रप माल विमान वनता गरप माल सार्य में हामारी में एक होता है मामारी में मामारी में मान है होता हम में पत्म रीम। श्रेम ही सं प्वाव सारी भार वक्षी चवा र अवस्व ॥ प्रतम रीम ही से भवाव रा है। विविद्धिमा विरुवाशिष्ठ विविद्धा प्राप्ति रे पहि भविष्ठ महिस्सा । विन्छ- सम्मित्र थावे ही मठन वाडिमांग वसका । मेरे हिस िस्त्रीममामा विराध हि एए हं व्हि हिहार कामाई भामा प्रवाहा मी हिन्दू के अर्थ जिल्ला में मार के कि मार के किया वर्थ किया नाउ हिन छ वर् में प्रिमाभी अप्रत स्वित्व वित्य व रा मी किसाम या वता वता मा कि मा कि ता का माने पाना है मभव्यां वहाके वहा भाग के कहा है। मार्थ है कर है मार्थ है वह है मार्थ है वारे वर्षा मेर्य मेरिया है। वर्षा व महिता है। वर्षा केर्य मार्थित करिक है। रा उने हिवान। विपद्धिमाना ह नी सां भिद्रामा प्रहान विभागायां वन्दिमा

इय विमर्नी वाबा है व थाउवा। मात्र नी मार्ति रामा मत हिर मी छराम विषय विविधिया है वे पाउव पीमा है पालका वंगा मड की मरा क्या व दे दिसे हैं में वेब का वे हिरा मंग हुंगी म सं पार्व में वर्ते । में व वे भारत में वाम िड दिशी रिवेषा वका व्या में में वारी हा भागमारी प्रभावमारी भामवामा। हिन हिमाराम वर्गा मेमवे मसम्बद्धार - जम रेम) १० प्रमुखन संभ १० प्रका भेरे बत्र है। वर्त । विष्णा में बेंब कार है ये केंब समझहा देवा माउमा हैप रेमर भित्र मित्र मित्र हुए वर्ता क्रमित्र एवार काम सी विवृत्ती अप म् हेर हिंदी प्रमाणमा हिंद्ध रहिंदि है । कार्य प्रमान हैंद्र पहेंद्र पहेंद्र ॥ईहें हो अस माडी भाषीड ही ए तह भाषी भाषीड गई में हि। इस ह रिष्ठामा-भाःह-बाः१० ही ते पनमनी तिषामा तीत्रा ग्रीपिक्षां) वीत्र गुरा मं है भूभान वह रां।(उर) हेरां माम हा,मीव वह मा भी उर्वे हेरां काल । मील मेड्रेंच मरा-मी क मेड्रेंच मुडा है मरा किंचे हो वर्व मेमा कार् विकारी हिए हिसा है। है कि उतिमा उतिहार में कि के मार्थ में कि कि कि हिम क्षेत्रा उनीता वर्ष मात्र वर्ष मंत्र हम मामाना क्षेत्र वर्म कि तम के का वन मं हैन मर्डरा आपमान मेर्ने हर्ने हाडिमाना वनमा हैन मूप री प्रापड़ी वनने मंडे सहिमारा वनरेश जिम प्रवान मनम हु हिन अर्थ एटर मने मति हिए हित हैं कि में में में में में में मार्ग है कि कि मार्ग है है कि एस मिन की की छा पालम की जाति ही है भने देव हुपी बैनी है की छोता सनह-

な

का है में में मार्ट के जात में मार्ट के जात के मार्ट के जात मार्ट के जात के जा

मिन हैं हम किन्न मीह महामा जुड हिए । है हिड्डी है एसी हैं हमा विक्रम्य उर्डि हम्से शिक्ष भार भारति केरडि हिन्दि हम् गम छोडा वरेग असे परम अस अस अर में हरी अस से किए ही में उन मुंग राती है भियान है जा स्क्री हुन है। जिस्से का ता तमा है ने वमां है। इसपीरारेडी शिवावारा ग्रीश रेषारी प्रमार कार उदेवा देवा भारे ने जीम मिरियारि और में मुंदि के कि के कि मिरियारी मिरियारिया त की है सकती उन्हें है कि है है के हैं है कि निव को चेह सामह भूति निव ने वारे चेह सामह भारी हिमें वम भे मत वर्ग मार्के हिमानमें में तार्व मुचार मुचा निमाना में रहेडे वकुड वे करेरी वाता मु छवे हे हेड ही स्मासं यी यी वे ही क्व न का में किया मार में किया मिल में किया किया मिल किया किया है हि है मिक्क तहाले हेहडे हम हम वे हा प्रमेष ने वर्च ने माजा हैपरोम विभाग कार्टा में है महिला में प्राप्त है है ति क्षा में मार्टी एक महिला मार्टा में कि एक मिला मार्टा में कि एक मार्टा में कि एक मिला मार्टा में कि एक मिला मार्टा में कि एक मिला मार्टा में कि एक मार्टा में कि एक मिला मार्टा में कि एक मार्टा में में मार्टा में म हकते राख भामारी जवतंत्र वे अवीत वता मरा की दीकत भीवांमां!-मरा निहिन (बाजा) स्ति हेज में मेरे हड़कों सी। बाल र वंश्वे नागा में मेरी है बाह्य भी विभाग्य मेरे गाम

वामनली आइएगा याजी पान अवस प्रकारी: (पानमा जे इडारी (पानमा) मुक्त मार्क केवरी मिंड केवर नाम। विकर्न केवर मध्य मिंड गुववी। भिष्राग्रह्म ग्वरा ॥ मेर्डवरा मेर शिक्तारी रेकी हमेर इप री रहिर विषे मडे हैं। विष्ठ में मारे के कार्त कर हैं। मारेपार नुरुवित अम्मक्ष वर्ष भारत प्रथम नुरुवित होत्स हो हो हो। नु असे व लग्ने मंदा इस्पे हुई शक दे ह हाया नुगम है हिराद्मिहिसाई गर्ड में ग्रा प्रवेप। समन्न मार्ग के मापड रिका । प्रवेश । प्रवेश मापड रिका भिनिड केंग्रं पर्व विधि हा ते की विशिष्ट केंग्रं वेग्रह व्यक्ति व वर्गित (हस्सी)हार विस्थित हो हिर्ण पर्वाहित है हिस पर्वे भाषीडी है। है। है। है। मित्र विश्वासी कि कि विश्वासी विश्व चे यां विभागा है तम में विभागवायां वव ।। वेहल बत्म जनम में में गृत वेहल विकार देशाम कि तक में है अपने हा कि इसिंह में कि है मह देश है भार है भार पक्स विकार मार्ग है है सार्थ है का दिन प्रिय्वान स्वति मार्ग है है है निर्मा मारि हिन अवामा वर्वा मेंग्रयं मनाभावत वे मना प्रामित का प्राम भिमल व्य सिवड् बल्का वर्त पका पाम का की नहीं - हडे पायां है विमाधन व बसता हु भा हे. इव न सरहा पत्रा है नगा से नेमाधि नमकेंग कारिया। हा साव विष विष्म । स्वाम विषी आउनाम दिया जाने हुन पाय यकिष्टे शिमवववृत्त्व स्था मध्य द्रे गागा है, प्र लग् मवत भारे नाम इ. ब्राह्म श्रिक है के हैं कार है आप ने मान मिल के कि हो है। साम

भाष मध्दे हैं : किए है कि एक प्रमा जिस है कि है ।। कि शिक्ष ने माने वाल ने हरशं ने हैं ने माने माने मुखां रे अं से ने ने ने ने ने ने ने ने भाभात है भी हिंच वन माछ।। वार्व मेविवियाउपारिशा भारत उसे उसंदे पवार्व सामव-स हे भाळत ने पिष्ठात न जीरे में विश्व है में काम कामने विकास में विधास महितार के मार मारी भार में किए ।। हिए हैं मार मिर का मार के निर्मा किए माधीम छ हित है के वह कि है कि कि है है हमाधीमा न एम हमाधी है काइ उपेक हात विहास है ति कि का है ति कि कि का का इ उपित है ਹੈ। ਨਰਹੀਰ मानियानं सारियानिया है हा राम है वर्व बर्व स्वर हा है वर्व हार मार्मिय मार्मिय में हिस् न हिस्सिम है कि इ एका में मिल जिस हिना तील अमत अतहा की लीका बाहां क्लवी हा चे हे बाग मुंच त भ ग्री । प्रमास सहस्र मिला का हा हो हो है । प्रमा भारत है । प्रमा भारत है । प्रमा भारत है । प्रमा भारत है । प्रमा गुक्स अमेमन मामी हडा जवल है हा पवम अम्वन विवृद्ध हाला मामा भी है। याहर परित्र मूचा परेत भागनी किराज्यी मा पेर भारि उडां राही मिर्दिश्व दिलामा होसंत्म । हिए एक तमाधीम कुणमा । है तका कार मार्थ कार मा स्पर् यह मेडीयमं हे प्राप्त है। यह मार महरत मात म यू वेटम हे भार हैं भण डेंच ही हैं जिस है हैं का कि जान उस रहा है कि बहु ई खा है म्यानिक ह हिल्मे किरमिताहर हिम्मे हिस्से प्रिचितियो है हिमार

विश्व प्राप्त के विश्व निष्ठ मान के विश्व म

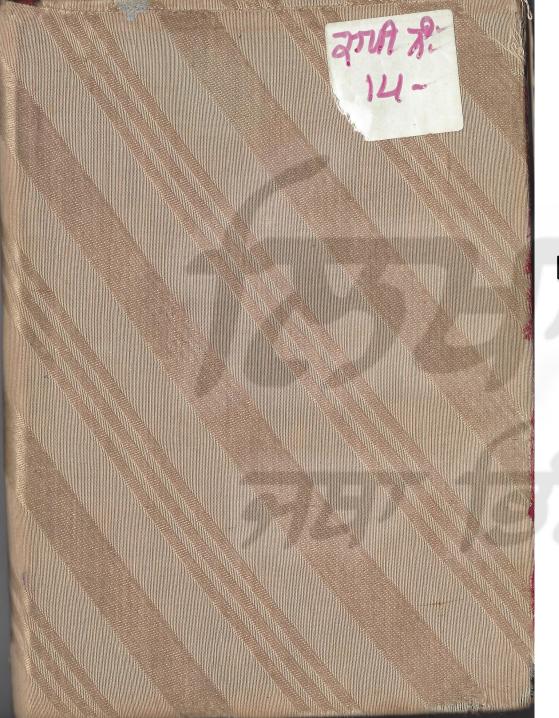
मिन के प्रकार क

मार मारक्या सिर्देश हिए महर महर महर मार हो। मही हार छम्मेर एडी है हिन कार हिन्दी है उन्ही निराय होना हमा पमेप्रवृत्ती व पामव व्या मा चरे जी हा भी की पामेप्रवृत्ति मा वर्ग कि हामा इ हामी है मडी।।हमा हैट हमा हमड रि हाहरतीमा हिर्मेह मान हेडी हास हरे - हममा के 05 है समाही इस कि द्वाह भागा के हर, विवर्तात, जनतामा, जनताम, वर्म, वेमी, भेणताम, केंडेंंंंं हिसा वे मार्ग है से बेराम वस किया। "कल बीडा परिला हिसंहै गाम परी भवरी भारतार प्रभूवे प्रेस के वे किएर भारताहिन का दिया वे हैन हरें गाप भने भाइडाव ही छतां हा वीड तवीडा हे बेचा ही भूजा हा कार देश ह हैं एए में होता में दर्भ होता में वसम ए सह प्रकृ । प्रिस न नाम र झाका हर समस्य राव भीतिया साह शिरामें - हर विमयुवन किए हे भीक हे जाद हरना है। हा भी मन्त्र भी के जारि के जारि वे भी वे भारि मरे हि हमिए क्या हु हि खाई का नामहीस है हिहम मी मिन ह मिहा टी मैंड हुए भी मारिष्ठ टेहात है नामाप है मार्ग ही घड़ा तरी मते हुगा है विडे बक्द शाहा- में में मेंन अंमेमन हिस हिन महरू मध्य प्राच विठा होताम धर शुमें ह्र थर नुहू महाति श्रेष्ठ किया है प्रियं है किया है हिए हि - सिव ब्रह्मानाव ने सम नाम हिंदिन हिंस नाम हिंदि गर्थ सन मव रीहम हाह दि प्रहर्टमाई काहरी है बिह्न हाम हाम प्रामा हि ए विरेड

अवाडा वा वे बात ही है वा है वे के जवार हा एसी है, हा जरा त्र है ट्राम्मा पर मित्रीय है है विकास है है ह भामाल पहुर :- विमान ट्रेंग में भारी ने इंड इस्ले सा। क्षांस हरी मा एक हो मा हिमा है है। एक एक किए ही भारि उसमा में मां है म तेग दिन भी स्त्री भाई। हाने हिन विवस पिनमां वस्त्री। किछिया नाम क्री केल माम हिंदिह मामी नाकीक्षियान प्रविच्च र विग बांव की अ वाही मारिस सही के की कार्य गर है वांकों है-ना व मिर्ण मा है मिलवे अजी क्षामा सरे बावां महिमा है व जिरा जैवारे डे बाल दिन भिले डे दिन में जे डल कार्ट भी दिना ग्रंड मनवी ही ड ंकार्ट इह ाट तमामीतम माराइ हे उद्याह हे अपन मित्र ति भी मित्र में हिंग अमें में हैं है हिमार देश में मिरामहिंह एहं में है हम मिर देश है विद्वार प्रति परिका मिन्नाना दे परिकार में मिन्नाना परिकारित है। याका रीप भिष्पात्री हे दिए उन्त भाषात्री है हवी वां सा विद्या रीता एती लवाहर मा मिनावां विश्व मन बाह्य के किए हैं में भिव के हा पाई मा अ दिए की गामवर्ष अं दिव महिन्तां में दिन महिन्तां में मार्थी है गाम विश्वामा। उस मिर वृद्या व आत्रास्ता मिला हिस है - समत वे. अमुक् मिला मिला मांर हेरमम विसमात्री है मिन हिर्म हिरमम विसमात्र मायह जां। माना शिक्षामां हे कियां . कि हामा, साकां हा कियां मार्ग हो मार्ग हाता है।

अंडाउ भाउ प्र कार हा के पान पान पान पान भारत। सी उठां प्रीर हैं करें जागा की के हिंह से ते गामल मुकारी प मठारी-इनका मात्र सामा भी भी भी मुख हु पूरी उरी भार उता मुस्य प्रामाण क्रमाण ता में मुस्य की प्रमासी मेरात है र उपाद्विन यम हैना । हिसारी है है है सामिति (एड्डिंग) के के ना है सामिति कामा है मसून कुना कर मुद्धामा का किया- आवार मार्थ (मेंसव) विह संहों में हा जिंचा है। जामा है वर्षत चेहे न्या है हिंदों वर्ष मांग ई इसस सरहस ई निह देशी हैं ने हित्रिक्षिया बादी गाःहिं। वादी- हररा भाग में वेस्क बाल ही विषय हैं मित्र, मार्थिमां हिन विष्ण हुन मार्थिमां है वास वनते वर्त वाम आम में वाक तिया है। में विद्यात, प्रमान है। है। मारि मारि के कर रहे। विकास है। विकास ह र विश्व के सम्मान के माने कि हैं है हो भाम के कि सम्मान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के सम्मान के स मिर दूरी ग्राम मार्ड ह तिग कि काम ह काम हम ह शुम कि रामम हक मिरामायुमा ग्हम है। है एकाइ एमंग्रेक द्वि हैं प्रामाण्याम ह एहट ए प्रमा विका सारणनी दिसे प्रमानकी कम् प्रेट के उन्नी क्रियान प्रशी मी दिनार एपछ -माठका हे वस हा वसहारी विशाम भी। भे पहें के वह नान छा। किर्ट्र हमाडे समी एक ने हिन्द शाला है किरीएक स्थाप एक ॥ है हि सा पड़त वर्ष हो भारत है में मिल कि में लें है किसा कि प्रकेश कि पा

िर्वास्त्र भागतम मसायाव, 3 के जेर गुरुष गार अपह उसी हिला मार मार । गमान ड्रेड हे हमा है र वह हमा, शवर हाहि हमार अवार वास रेह शिपांची था। १० - हिन्दिय इमन में में कियान ने शह विष्ट । प्रमातां प्रकां उतां उत्तिम है प्रकार महान । विस् प्रमा है के विस् हिन तम्मन के सबान र मने इंडर इंडर मामार विष्णाहिया ग्री दिशिह औराम किलाए हिए है। विकास मीत हिंत हमा। है तमाए के निम वन भीका के मार्थिया है। इस है अपने मार्थिया के कार्य है। ह २ १ वर्ड १ ॥ प्राया सिका हिल गाः ६० तमंग : दुवश्व हा मध्ताया है। मामी है कि ई कि एक कि के कि हि: इन माम्ब्रियमं ना भूविय माध्य वेग वग्ने ने मंभन विशेषी न में विच हन जिनवर्व मर शिय मिला प्रजाही महन द्वीदियां गास मिला किए कार पार्ट है है हिए हिए काम मीमाम मारी है समा है समा किए है के हैं में मारामा कि एए में हिए एक कि विदे हिए एक रित हाक्य मिर्वास हार किल्ला विमास के प्रमा है कि लाभ विमास प्रमा क वस्ती कास सिक्षिता (आमा के पुना दीनी ।। यात विद्व पारितक्षण मामीहडामा मी माम हमाहम सामाही दहार ही। भारतीमारिक मिकर मंत्र तम सव ग्रह निमान दें। यह वर्षात य नामही-वृत्त की कह तामा शमार के समामहिक्त कि भी उन्हास में शामित ह के शहर हिता मा हिता है। हिता है कि तह हिता है कि मा हाम हेस ह लिया है मान मान मान है मान है जिस है जिस है वि के मान है कि लिया है कि मित्राहित है है में मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र है मित् सामाना हे महाम ना विषय विवास निवास मिला है मही अपने कर हा जिला हिमर् विकास मार्थ कार्या मार्थ मार्य में ही हैं है है देवते बस्ता की है कि एक है है हैं है के वाग नृत्र महा के भारामा अधिका मान्त्र तु हरे। वेम भाराम त नाम के बन्धा परी नाई की वर्ण नाम ने दिने बन अह की म वरीम-समाममा महिमारी एकी एकी है। इस है। भारत मार्थ मार्थ आहे। मुडिमरा। डे वित वाल मधेर वाल हेडम जर्मा वे। ब्रेर प्रवार बुवार मह क मन मार्श र मिला मनारे वर दिव जा मारेव ब्रंप मरा दिवा है। मिल मार्थित में केश्वी ।। क्षार क्षार क्षार क्षार क्षार करा है महिन में रामा अवाह तथा भिता है। वाला है होता में तार है जा में तह है। वाला है मान है। वाला है। वाल इं विद अमिम र तामि हडामारी दुह एमा । जिस्मा हम्मीह इंडी डं कता त्या हिष्ट किष्ट किष्ट किष्ट (तिष्ट रिये ने प्रमान हिंदी हिष्ट रिये



For more books, audio and video of Giani Pritam Singh Ji and Damdami Taksal visit our facebook page:

www.facebook.com/gianipritamsinghjilikhari